अवधि : ०२ घंटे **पूर्णांक : ६०**

सूचना : १ सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक और उपक्रमांक अवश्य लिखे |

प्रश्न १. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(४०)**

अ. तुलनात्मक साहित्य के स्वरुप को प्रस्तुत करते हुए प्रारंभ एवं भारतीय परंपरा की विस्तार से चर्चा कीजिए |

आ. तुलनात्मक साहित्य के प्रमुख स्कूलों की समीक्षा कीजिए |

इ. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन के प्रतिमानों को विस्तार से रेखांकित कीजिए |

ई. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि और उसके अध्ययन की दिशाएं की मीमांसा कीजिए |

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी दो टिप्पणियों को लिखिए | **(१०)**

क. तुलनात्मक साहित्य – पाश्चात्य परम्परा |

ख. तुलनात्मक साहित्य के तत्व |

ग. तुलनात्मक अध्ययन का महत्व |

घ. तुलनात्मक साहित्य का प्रभाव |

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए | **(१०)**

१. सन १८४८ में सबसे पहले कम्पेरेटिव लिटरेचर का प्रयोग किस विद्वान ने किया था?

२. 'साहित्यिक विकास के सामान्य सिद्धांतो का अध्ययन निश्चय ही तुलनात्मक साहित्य का महत्वपूर्ण अंग है |' यह किस विद्वान की परिभाषा है?

३. 'नास्ति अचौर: कविजन:' यह किस विद्वान ने कहा है?

४. तुलनात्मक साहित्य के तीन सम्प्रदाय के नाम लिखिए?

५. डॉ. केदारी के अनुसार तुलनात्मक साहित्य के कितने मूल विचार है?

६. अनुरूप अध्ययन की पद्धति की वकालत किसके द्वारा की गई थी?

७. 'विश्व साहित्य' का उल्लेख करते हुए साहित्य के अध्ययन में तुलनात्मक दृष्टि की आवश्यकता पर जोर किसने दिया था?

८. सादृश्य संबंधात्मक प्रविधि किसके अंतर्गत आती है?

९. साहित्यिक पाठक का तात्पर्य किससे है?

१०. तुलनात्मक साहित्य के कितने परिप्रेक्ष्य माने गए है?

****

XROYADMINY7A509CXROYADMINY7A509CXROYADMINY7A509CXROYADMINY7A509C